an>

Title: Need to develop Sikarhana, Madhubani and Bhelwa villages under Sheohar Parliamentary Constituency, Bihar as tourist places.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर) ः मेरे संसदीय क्षेत्र शिवहर का सिकरहना आज़ादी की लड़ाई में शिरकत देने वाला ऐसा क्षेत्र है जहां पर महात्मा गांधी जी ने अंग्रेजों द्वारा किसानों पर किये जाने वाले अत्याचार के विरूद्ध बिगुल बजाया था, परन्तु इतिहास में कई कारणों से आजादी की लड़ाई में सिकरहना का नाम नहीं है। अंग्रेजों के विरूद्ध सिकरहना के बडहरवा लखनसेन ग्राम में 13 नवंबर 1917 में ग्रामीणों में चेतना एवं निर्भीकता पैंदा करने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पहली पाठशाला एवं सह आश्रम स्थापित किया। इसी तरह, चिरैया प्रखंड अंतर्गत मधुबनी ग्राम में 17 नवंबर 1918 को इस मधुबनी ग्राम में महात्मा गांधी जी ने नीरपुर निलहा कोठी के अंग्रेजों द्वारा किसानों पर किये गये अत्याचार की जांच खुद की थी। उक्त ग्रामों को पर्यटन स्थल बनाने की दिशा में स्थानीय प्रशासन द्वारा प्रस्ताव पेश कर दिया गया। मेरे संसदीय क्षेत्र शिवहर के घोडासहन प्रखंड के बगही भेलवा पंचायत के भेलवा ग्राम में महात्मा गांधी आये थे और यहां पर जो निलहा कोठी तथा अंग्रेजों द्वारा नील उत्पादन हेतु प्रोसेसिंग का कार्य किया जाता था, जिसके अवशेष भी हैं। बड़े खेद के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि घोडासहन प्रखंड के भेलवा ग्राम को पर्यटन स्थल में शामिल नहीं किया जा रहा है एवं आजादी की लड़ाई में यहां के पूरे इतिहास को नहीं दर्शाया जा रहा है।

मैं पर्यटन मंत्रालय से अनुरोध करती हूँ कि शिवहर जिले के घोडासहन प्रखंड के भेलवा ग्राम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाये। अंग्रेजों द्वारा नील उत्पादन हेतु प्रोसेसिंग कार्य में अंग्रेजों द्वारा जो अत्याचार किये गये हैं उनके अवशेष आज भी विद्यमान है अगर इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाता है तो यह आजादी की लड़ाई लड़ने वालों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।